**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न सं .1531**
**28 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**तिरु चिरापल्ली के लिए मेगा हैंडलूम क्लस्टर**

**1531. श्री दुरई वाइको:**

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2015-16 के दौरान मेगा हथकरघा क्लस्टर विकास कार्यक्रम के अंतर्गत तिरुचिरापल्ली के लिए एक मेगा हथकरघा क्लस्टर को मंजूरी दी थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) मेगा हथकरघा क्लस्टर के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है और जारी की गई धनराशि, पूरे किए गए कार्य, चल रहे कार्यकलापों सहित अब तक कितने हथकरघा बुनकर लाभान्वित हुए हैं;
(ग) क्या इस परियोजना के कार्यान्वयन में विलंब हुआ है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और
(घ) क्या सरकार आधुनिकीकरण, बाजार संपर्क, कौशल विकास और सामान्य सुविधा केन्द्रों के माध्यम से तिरुचिरापल्ली में हथकरघा क्षेत्र को सुदृढ़ करने के अलावा परियोजना के अंतर्गत शेष निधियां जारी करने और लंबित अवसंरचना और आजीविका सहायता घटकों को पूरा करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**वस्त्र राज्य मंत्री**
**(श्री पबित्र मार्घेरिटा)**

**(क) से (घ)** - जी हाँ, भारत सरकार ने 'मेगा क्लस्टर विकास कार्यक्रम' जोकि 'राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम ' (एनएचडीपी) का एक घटक है, के तहत वर्ष 2015-16 के दौरान तिरुचिरापल्ली (त्रिची) के लिए एक मेगा हथकरघा क्लस्टर, हथकरघा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पूरे देश में विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय के माध्यम से कार्यान्वयन के अधीन एक योजना, को स्वीकृति प्रदान की थी।

त्रिची मेगा हथकरघा क्लस्टर तमिलनाडु 25462 बुनकरों को लाभान्वित करते हुए राज्य के 08 ज़िलों अर्थात त्रिची, अरियालुर, पैरम्बलूर, करूर, डिंडीगुल, तंजावुर, तिरुवरुर और नागपट्टिनम को कवर करता है। ईटीपी सुविधाओं सहित 02 डाई हाउस, करूर और जयमकोंडम प्रत्येक में एक-एक, तंजावुर में 01 स्मारिका दुकान और 22 लघु हथकरघा क्लस्टरों की स्थापना और तकनीकी अपग्रेडेशन हेतु 1162 एचएसएस मदों के वितरण के लिए आर्थिक सहायता के रूप में 20.17 करोड़ रुपये जारी किए गए है। तिरुविदैमारुथुर-I, तिरुप्पानंडल, अम्मापेट्टई, तथायंकरपेट्टई, करूर-I और तोप्पमपट्टी में 06 सामान्य सुविधा केन्द्रों का कार्य भी पूर्ण हो चुका हैं जोकि अब प्रचालन में हैं।

इसके अलावा, भारत सरकार एनएचडीपी के तहत हथकरघा एजेंसियों/बुनकरों को एक्सपो, ई-कॉमर्स पोर्टल (https://www.indiahandmade.com) और दिल्ली हाट आदि में भागीदारी के माध्यम से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्पाद सीधे ग्राहकों को बेचने के लिए मार्केटिंग प्लेटफॉर्म भी उपलब्ध करा रही है। इसके साथ ही, वस्त्र मंत्रालय की 'समर्थ' योजना के तहत कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

*****